तापमान
अधिकतम 35 .5 डिग्री
न्यूनतम 26 .5 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, शनिवार, 9 अगस्त 2025

11 युवा आजादी को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं

12 मानव जीवन को संस्कारित करना जरूरी प्रो. सुदेश

रक्षाबंधन पर महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा

दोपहर से बस अड्डों पर उमड़ी भारी भीड़

प्राइवेट बस संचालकों ने मुफ्त के चक्कर में बसों की संख्या कम कर बढ़ाई बहनों की परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| सोनीपत

भाई-बहन के प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व पर राखी बांधने के लिए जाने वाली बहनों के लिए रोडवेज ने शुक्रवार दोपहर 12 बजे से निःशुल्क यात्रा की सुविधा शुरू कर दी। बस अड्डों पर सुबह से महिलाएं इस सुविधा का इंतजार करती रहीं और जैसे ही घड़ी ने दोपहर 12 बजे बजाए, महिलाएं बसों की ओर दौड़ पड़ीं। दोपहर बाद बसों में इतनी भीड़ हो गई कि सीट न मिलने पर उन्हें खड़े होकर सफर करना पड़ा। जिन रूटों पर प्राइवेट बसों के चक्कर अधिक थे, वहां मुफ्त यात्रा की घोषणा के बाद निजी बस संचालकों ने अपने चक्कर कम कर दिए। इससे महिला यात्रियों को लंबे समय तक बसों का इंतजार करना पड़ा। स्थिति को देखते हुए रोडवेज विभाग ने लंबे रूटों की बसों को बंद कर उन्हें लोकल रूटों पर उतार दिया, ताकि यात्रियों को राहत दी जा सके। बावजूद इसके, बढ़ी हुई भीड़ के कारण महिलाओं और अन्य यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

रक्षाबंधन पर्व नौ अगस्त को मनाया जाएगा, लेकिन सुविधा शुक्रवार से ही शुरू कर दी गई है। यह नि शुल्क यात्रा शनिवार रात 12 बजे तक जारी रहेगी। महिलाओं के साथ 15 साल तक के बच्चे भी मुफ्त में सफर कर सकते हैं। रोडवेज ने करीब 151 बसों को सड़कों पर उतारने की व्यवस्था की। अड्डे के सभी काउंटरों पर बसें लगाई गईं। गन्नौर, खरखौदा, झज्जर, बहादुरगढ़ रूटों पर भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त बसें भेजी। आरटीओ के आदेशों के बावजूद निजी बसों ऑपरेटरों ने निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा से बचने के लिए बसों के चक्कर कम यात्रियों की परेशानी बढ़ाई

दोपहर से शुरू फ्री सफर

महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा शुक्रवार दोपहर 12 बजे से शुरू हुई है और यह शनिवार रात 12 बजे तक जारी रहेगी। सभी बसों को लोकल रूटों पर चलाया जा रहा है ताकि बहनों को राखी पर्व पर अपने भाई तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो।

-संजय कुमार, जीएम डिपो सोनीपत।

पीछे करते समय बस की चपेट में आई महिला 6 माह की बच्ची को फेंककर बचाया, गंभीर

■ बस स्टैंड पर बस का इंतजार कर रही थी रजनी

सोनीपत। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के बस स्टैंड पर बस के इंतजार में खड़ी महिला रोडवेज बस की चपेट में आ गई। महिला ने गोद में ली छह माह की बच्ची को दूर फेंक दिया। बस की चपेट में आने से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे उपचार के बाद पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। हादसे के बाद बस चालक फरार हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

यूपी बदायु निवासी अतुल कुमार ने बताया कि वह पेंटर का काम करता है। उसकी तीन बेटियां है। उसकी पत्नी रजनी की भाभी की करीब तीन माह पहले मौत हो गई थी। पत्नी त्यौहार पर अपनी घर जाने के लिए बस स्टैंड पर गई थी। जहां बस का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान बस को पीछे करते हुए बस ने उसे चपेट में ले लिया। स्टैंड पर मौजूद लोगों के शोर मचाने पर चालक ने बस रोकी। बस की चपेट में आते समय रजनी ने अपनी गोद से छह माह की बच्ची को दूर फेंक दिया। बस पीछे करते समय बस का परिचालक नहीं था। उसने चालक को जिम्मेदार ठहराते हुए कार्रवाई करने की मांग की।

बेसहारा पशुओं को हादसों से बचाने के लिए बांधे गए चमकदार बैंड, खरखौदाः सड़क पर घूमने वाले बेसहारा पशुओं के कारण होने वाले हादसों को रोकने के लिए पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत पशुओं के गले में चमकीले रिबन बांधे जा रहे हैं, ताकि अंधेरे में भी वे दूर से वाहन चालकों को दिखाई दें और टक्कर लगने की संभावना कम हो। पुलिस आयुक्त ममता सिंह के दिशा-निर्देश और डीसीपी नरेंद्र कादियान की अगुवाई में यह मुहिम जिलेभर में चलाई जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस टीम खरखौदा पहुंची और यहां-वहां घूम रहे बेसहारा पशुओं को रिबन बांधे।

शाहनवाज हत्याकांड में बड़ा खुलासा, फोन पर दी लोकेशन

पत्नी ने ही प्रेमी के साथ रची थी साजिश

■ मृतक का मौसेरे भाई पत्नी का प्रेमी , 6 माह से संबंध

गन्नौर। पत्नी के साथ साले की शादी में गए शाहनवाज की हत्या की साजिश उसकी अपनी पत्नी ने अपने पति के मौसेरे भाई प्रेमी के साथ मिलकर रची थी। शामली पुलिस ने पत्नी, प्रेमी व उसके दोस्त की गिरफ्तारी के बाद यह खुलासा किया है। शाहनवजा की पत्नी मेफरीन व तसव्वर के बीच पिछले करीब छह माह से प्रेम संबंध थे। शाहनवाज ने कुछ दिन पहले अपनी पत्नी को प्रेमी तसव्वर को फोन पर बात करते हुए पकड़ लिया था। जिसके बाद दोनों में विवाद भी हुआ था, परंतु शाहनवाज ने यह बात अपने परिजनों को नहीं बताई। शाहबाज के पिता ने 6 माह पहले उसके मौसेरे भाई तस्वीर की बहन की शादी करवाई थी। जिसके बाद से तसव्वर का शाहबाज के घर आना जाना था। वह बागपत के सरूरपुर में ईंट भट्ठे पर काम करता है।

दो दिन पहले दिया फोन

घटना से दो दिन पहले मेफरीन का मोबाइल खराब हो गया था। वह शाहनवाज पर नया फोन लाने का दबाव बना रही थी। आखिरकार वह फोन लेकर आया, जिसे बाद में मेफरीन ने शाहनवाज की जानकारी तसव्वर को देने में प्रयोग किया।

मां गिरफ्तार, पिता की मौत

करीब आठ साल पहले मेफरीन की शादी शाहनवाज से हुई थी। वह सिर्फ तीसरी पास है। अब शाहनवाज की मौत और मेफरीन की गिरफ्तारी के बाद उनके दो मासूम बच्चों की जिम्मेदारी दादा जमील पर अब दोनों पोतों की जिम्मेदारी आ गई है।

बापौली के पास हत्या

बापौली के पास हत्या शहबाज फर्नीचर कारीगर शहबाज अपनी पत्नी मेफरीन के साथ शामली साले की शादी में गया था। वापसी में बापौली के पास तेजधार हथियारों से उसकी हत्या कर डेढ़ लाख रुपये व बाइक लेकर आरोपी फरार हो गए थे। पत्नी ने परिजनों के सामने आरोपियों के सामने अपने पति को छुड़वाने के लिए मिन्नत करने का दावा किया था।

स्कूल वैन हादसा

बार एसो. ने वकील को किया निष्कासित

खरखौदा। बार एसोसिएशन जनरल हाउस की मीटिंग में वकील सुरेश दहिया के विचार सुनने के बाद उन्हें एसोसिएशन से निष्कासित करने व पंजाब एवं हरियाणा चंडीगढ़ बार से उनका लाइसेंस तुरंत प्रभाव से रद करने की सिफारिश की। जिसमें सुरेश दहिया के कृत्य को एसोसिएशन की छवि को धूमिल करने, एकता एवं अखंडता के विरुद्ध काम करने का दोषी माना। बैठक में अपने पक्ष रखते हुए भी दहिया पर वकीलों पर भी अभद्र टिप्पणी व अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने और बार की चयनित कार्यकारिणी पर अशोभनीय कटाक्ष का भी आरोप लगाया। दोनों पक्षों के विचार सुनने के बाद यह निर्णय लिया गया।

भैजा दूज का पर्व

रक्षाबंधन की ही तरह भैया दूज का पर्व भी भाई-बहन के पवित्र स्नेह का प्रतीक माना जाता है। इसके पीछे प्रचलित मान्यता के अनुसार बहन की सेवा को देखकर यम बेहद खुश हुए और यमुना से कोई वर मांगने के लिए कहा। इसके बाद यमुना ने उनसे वचन लिया कि हर साल कार्तिक माह के शुक्ल द्वितीया तिथि पर वह मेरे घर आकर भोजन किया करें। यमराज ने भी उन्हें तथास्तु कहते हुए उन्हें तरह-तरह की भेंट भी दी। मान्यता के अनुसार, तभी से भाई दूज के पर्व को मनाने की शुरुआत हुई।

भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व 'सलूमण'

रक्षाबंधन पर्व की जन-मानस में लोकप्रियता के दृष्टिगत ही हरियाणा सरकार महिलाओं को अपने भाइयों को इस दिन रक्षासूत्र बांधने के लिए आवा-गमन हेतु मुफ्त बस सेवा उपलब्ध कराती है। राज्यों में अलग-अलग ढंग से रक्षाबंधन को मनाया जाता है

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत उत्सवों का देश है। जहां हर अवसर पर हर परिस्थिति में जीवन को सकारात्मक दिशा देने के लिए कार्य करने की परम्परा रही है। यहां मनाया जाने वाला प्रत्येक त्योहार जन-मानस को नया सन्देश देता है।

भारतीय त्योहारों की इसी शृंखला में श्रावण माह में मनाया जाने वाला पर्व है रक्षाबंधन। इसे श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन न केवल भारत बल्कि मॉरीशस, नेपाल और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों के साथ-साथ दुनिया भर में बसने वाले भारतवंशी भी पूरे हर्ष और उल्लास के साथ मनाते हैं।

भारत की तरह नेपाल में रक्षाबंधन को जनेऊ पूर्णिमा के नाम से संबोधित किया जाता है। इस दिन घर के बड़े लोग अपने से छोटे लोगों के हाथों में एक पवित्र धागा बांधते हैं। राखी के अवसर पर यहां एक खास तरह का सूप पिया जाता है, जिसे कवाती कहा जाता है। इस अवसर पर बहनें अपना प्रेम रक्षा सूत्र के रूप में भाई की कलाई पर बांध कर प्रदर्शित करने के साथ उससे रक्षा का वचन लेती हैं। भाई इस अवसर पर कुछ उपहार देकर भविष्य में संकट की स्थिति में उसकी सहायता करने का वचन देते हैं।

भाई-बहन के पवित्र स्नेह का प्रतीक यह त्योहार भारत भर में अलग-अलग नामों से जाना जाता है। उत्तर प्रदेश में इसे श्रावणी या सलूनो भी कहते हैं। श्रीकृष्ण की लीला स्थली ब्रज में सावन मास में हरियाली तीज यानि श्रावण शुक्ल तृतीया से श्रावणी पूर्णिमा तक यहां के मन्दिरों और घरों में ठाकुर जी को झूले में विराजित किया जाता है। ठाकुर जी यानी श्री कृष्ण का यह झूला-दर्शन श्रावणी पूर्णिमा अर्थात रक्षाबन्धन के दिन समाप्त होता है। उत्तरांचल में रक्षाबंधन को श्रावणी कहते हैं। इस दिन यजुर्वेदी द्विजों का उपनयन कर्म होता है। इस दिन उत्सर्जन, स्नान-विधि, ऋषि-तर्पणादि करके उनको नवीन यज्ञोपवीत धारण कराया जाता है। इस दिन वृत्तिवान् ब्राह्मण अपने यजमानों को यज्ञोपवीत तथा राखी देकर दक्षिणा लेते हैं। अमरनाथ यात्रा गुरु पूर्णिमा से प्रारम्भ होकर रक्षाबन्धन के दिन ही पूर्ण होती है। जबकि राजस्थान में इस दिन रामराखी और चूड़ाराखी या लूंबा बांधने की परंपरा है। रामराखी सामान्य राखी से थोड़ी-सी अलग होती है। इसमें लाल डोरे पर एक पीले छींटों वाला फुंदना लगा होता है और यह भगवान को ही बांधी जाती है। वहीं चूड़ा राखी भाभियों की चूड़ियों में बांधी जाती है। जोधपुर में राखी के दिन दोपहर में पद्मसर और मिनकानाडी में गोबर, मिट्टी एवं भस्मी से स्नान कर शरीर को शुद्ध किया जाता है, फिर धर्म तथा वेदों के प्रवचनकर्त्ता अरुंधती, गणपति, दुर्गा, गोभिला तथा सप्तर्षियों के दर्भचट अर्थात पूजास्थल बनाकर मन्त्रोच्चारण के साथ उनकी पूजा की जाती है। इसके बाद उनका तर्पण किया जाता है ताकि पितृऋृण चुकाया जा सके। फिर घर आकर हवन किया जाता है, वहीं पर रेशम के डोरे से राखी बनायी जाती है तथा उसको कच्चे दूध से अभिमन्त्रित किया जाता है। यह राखी भगवान को अर्पित करने के बाद ही भोजन किया जाता है। बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में इस पूर्णिमा को कजरी पूर्णिमा के विशेष रूप में मनाने की रीत चली आ रही है। कजरी पूर्णिमा के दिन महिलाएं पेड़ के पत्तों के पात्रों में खेत से मिट्टी भरकर लाती हैं और उनमें जौ को बोया जाता है। जहां ये पात्र रखे जाते हैं, वहां पर चावल के घोल से चित्रकारी भी की जाती है। कजरी पूर्णिमा के दिन महिलाएं इन जौ को सिर पर रखकर जुलूस निकालती हैं और पास के किसी तालाब या नदी में इसे विसर्जित कर देती हैं। महिलाएं इस दिन उपवास रखकर अपने पुत्र व भाई की लंबी आयु की कामना करती हैं। उड़ीसा और पश्चिम बंगाल में रक्षाबंधन को झूलन पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन भगवान कृष्ण और राधा की पूजा की जाती है। साथ ही महिलाएं अपने भाइयों के अच्छे जीवन के लिए उनकी कलाइयों पर राखी बांधती हैं। देश के पूर्वी हिस्से ओडिशा में राखी को गमहा पूर्णिमा के नाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग अपने घर की गाय और बैलों को सजाते हैं और एक खास तरह का पकवान, जिसे मीठा और पीठा कहा जाता है, बनाते हैं। इस दिन राधा-कृष्ण की प्रतिमा को झूले पर बैठा कर झूलन यात्रा निकाली जाती है। इसी प्रकार गुजरात, महाराष्ट्र और गोवा में राखी का त्योहार नारियल पूर्णिमा या श्रावणी के नाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग नदी या समुद्र के तट पर जाकर अपने जनेऊ बदलते हैं और समुद्र की पूजा करते हैं। जल के देवता वरुण को प्रसन्न करने के लिये नारियल अर्पित करने की परम्परा भी है। नारियल की तीन आंखें होने से उसे शिव का प्रतीक माना जाता है। इस दिन भगवान शिव की पूजा की जाती है। गुजरात के कुछ हिस्सों में रक्षाबंधन को पवित्रोपन के नाम से भी मनाया जाता है। वहीं दक्षिण भारतीय राज्यों जैसे तमिलनाडु तथा केरल के साथ ही देश के विभिन्न भागों में रहने वाले दक्षिण भारतीय ब्राह्मण इस पर्व को अवनि अवित्तम कहते हैं। इस दिन ये यज्ञोपवीतधारी ब्राह्मण नदी या समुद्र के तट पर स्नान करने के बाद ऋषियों का तर्पण करके नया यज्ञोपवीत धारण करते हैं। हरियाणा में भी समस्त उत्तर भारत की तरह ही भाई-बहन का यह पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। इसे यहां सलूमण के नाम से मनाते हैं। सलूमण के त्योहार की जन-मानस में लोकप्रियता के दृष्टिगत ही हरियाणा सरकार महिलाओं को अपने भाईयों को इस दिन रक्षासूत्र बांधने के लिए आवा-गमन हेतु मुफ्त बस सेवा उपलब्ध कराती है। जिस तरह से अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग ढंग से रक्षाबंधन को मनाया जाता है उसी तरह से इस त्योहार को मनाने के पीछे भिन्न-भिन्न कहानियां प्रचलित हैं।

> रक्षाबंधन की सबसे अधिक प्रचलित मान्यता के अनुसार महाभारत के समय एक बार भगवान कृष्ण की अंगुली में चोट लग गई थी और उसमें से खून बहने लगा था। ये देखकर द्रौपदी जो कृष्ण जी की सखी भी थी, ने आंचल का पल्लू फाड़कर उनकी कटी अंगुली में बांध दिया। इसी दिन से रक्षासूत्र या राखी बांधने की परंपरा शुरू हुई।

ये हैं प्रचलित मान्यताएं

रक्षाबंधन की सबसे अधिक प्रचलित मान्यता के अनुसार महाभारत के समय एक बार भगवान कृष्ण की अंगुली में चोट लग गई थी और उसमें से खून बहने लगा था। ये देखकर द्रौपदी जो कृष्ण जी की सखी भी थी, ने आंचल का पल्लू फाड़कर उनकी कटी अंगुली में बांध दिया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन से रक्षासूत्र या राखी बांधने की परंपरा शुरू हुई। जब द्रौपदी का चीरहरण किया जा रहा था, तब श्रीकृष्ण ने ही उनकी लाज बचाकर सबसे उनकी रक्षा की थी। राखी के सम्बन्ध में एक अन्य मान्यता प्रचलित है। जब महाभारत के युद्ध में युधिष्ठिर ने कृष्ण से पूछा कि मैं सारे दुखों से कैसे पार पा सकता हूं, तो कृष्ण कहते हैं कि तुम अपने सभी सैनिकों को रक्षा सूत्र बांधो, इससे तुम्हारी विजय पक्की है। युधिष्ठिर ऐसा ही करते हैं और उन्हें विजय मिलती है। ये घटना श्रावण माह की पूर्णिमा को हुई थी, इसलिए इसे रक्षाबंधन के रूप में मनाया जाने लगा और इस दिन सैनिकों को राखी बांधी जाती है। इसी तरह से वामन अवतार से जुड़ी एक कथा के अनुसार राजा बलि बड़े दानी थे और भगवान विष्णु के भक्त थे। एक बार वे भगवान को प्रसन्न करने के लिए यज्ञ कर रहे थे। अपने भक्त की परीक्षा लेने के लिए भगवान विष्णु एक ब्राह्मण का वेष धारण करके यज्ञ स्थल पर पहुंचे और राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। राजा ने ब्राह्मण की मांग स्वीकार कर ली। ब्राह्मण ने पहले पग में पूरी भूमि और दूसरे पग में पूरा आकाश नाप दिया। राजा बलि समझ गए कि भगवान उनकी परीक्षा ले रहे हैं, इसलिए उन्होंने फौरन ब्राह्मण का तीसरा पग अपने सिर पर रख लिया। उन्होंने कहा कि भगवान अब तो मेरा सबकुछ चला गया है, अब आप मेरी विनती स्वीकार करें और मेरे साथ पाताल में चलकर रहें। भगवान को राजा की बात माननी पड़ी। उधर, मां लक्ष्मी भगवान विष्णु के वापस न लौटने से चिंतित हो उठीं। उन्होंने एक निर्धन महिला का वेष बनाया और राजा बलि के पास पहुंचकर उन्हें राखी बांध दी। राखी के बदले राजा ने कुछ भी मांग लेने को कहा तो मां लक्ष्मी फौरन अपने असली रूप में आ गईं और राजा से अपने पति भगवान विष्णु को वापस लौटाने की मांग की। राखी का मान रखते हुए राजा ने भगवान विष्णु को मां लक्ष्मी के साथ वापस भेज दिया। रक्षाबंधन को लेकर इस प्रकार की और भी अनेक कथाएँ भारतीय लोकमानस में कही-सुनी जाती हैं। जिनमें भाई-बहन के प्रेम, रक्षासूत्र और भाई के द्वारा बहन की रक्षा करने संबंधी उल्लेख मिलता है। इस प्रकार की परम्पराएं निसंदेह समाज को नयी दिशा देती हैं और संबंधों में ऊर्जा का संचार करती हैं। आइए, हम सब संकल्प लें कि हम अपनी परम्पराओं को जीवित रखेंगे।

गीत भूपसिंह भारती

सामण

सामण का महीना, और तीजों का त्योहार।
तीज खेलरी सखियां सारी, कर सौला सिंगार।।

चली खेलणे, सखी सहेली,
संग चली सब, नई नवेली,
लाकै मीठी रेली, गावै गीत मल्हार।

पींघ घली, पेड़ों की डारी,
मचकावै ब्याही, और कुंवारी,
झूल झूलरी सारी, बारी बारी रे नार।

रूप रंग पै, चढ़ी जवानी,
सामण की या, रुत मस्तानी,
आग लगावै पानी, सीली बहै बयार।

लाड कोथली, घणी निराली,
शक्करपारे, और सुहाली,
भर भर बांटै थाली, इसा तीज त्यौहार।

तीज खेलकै, बिरवा बोवै,
झाड़ी म्ह ये, गिण गिण पोवै,
रेतां म्ह बी ल्हकोवै, बेटां खातर भंडार।

चोगरदे ये, हुई हरियाली,
घर घर म्ह, आई खुशहाली,
बजा 'भारती' ताली, रिमझिम पड़े फुहार।

कविता महेन्द्र सिंह बिलोटिया

प्रकृति प्रेम

ब्रम्हा जी लगे रचन सृष्टि चारों तरफ निहारें
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

ब्रम्हा जी न प्रकाश फला कै पुत्र दस पायें थे
भगती में लौ लीन हुए सब न ही यश पायें थे
ब्रम्हा जी लिये देख दक्ष न चिन्ता बस पायें थे
ब्रम्हा जी गये समझ व गुण दक्ष मै ही पायें थे
प्रजापति दक्ष बणा दिया व रहे देखते सारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

ब्रम्हा विष्णु शिवजी तीनों नेअपने कर्म सम्भाले
एक उत्पति एक पोषक एक संहार करने वाले
वंश बेल की कामवासना, दूर किये थे जाले
ब्रम्हा जी न ब्रम्हाण्ड सोंप दिया था दक्ष हवाले
देवताओं के राजा बणे व दक्ष ब्रम्हा के प्यारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

सवम्भू मनु की दो पुत्री राजा दक्ष न परणाई
एक रानी न चौबीस कन्या अपने गर्भ से जाई
दुजी रानी न सुहाग भाग से साठ कन्या पाई
चौरासी पुत्री हुई दक्ष कै सती शिव न बयाही
सती शिव की शादी में बाजै तीन लोक नगारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

कनखल में फेर दक्ष न एक महायज्ञ कराया
उस यज्ञ में भाग लेण न सभी देवता आया
शिव जी से थे रुष्ट दक्ष ना शिव सती बुलाया
महेन्द्र सिंह बिलोट बैठा जिसने भेद बताया
हवन मै जल सती मरी थी समिधा बणी अंगारे
प्रकृति प्रेम बणावण खातर व मानस पुत्र तारे

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

प्रतिभा

घुड़सवार दल का कमान्डर होने के बावजूद स्कीनर ने 1803 में दिल्ली में अंग्रेज सेना से लड़ने से कर दिया था मना

हांसी का जागीरदार था कर्नल जेम्स स्कीनर

इतिहास यशपाल गुलिया

अति प्रेरणादायक हस्ती जेम्स स्कीनर अंग्रेज अधिकारी तथा भारतीय माता का पुत्र था। कलकता में 1778 में जन्म लेने वाला जेम्स युवावस्था में पिता की इच्छा के विपरीत अपने शिक्षा संस्थान से भाग गया था। तब उसके पास मात्र 25 पैसे जेब में थे।

कुछ दिनों तक कलकता में भटकने के बाद जेम्स मराठा सेना में भरती हो गया। वहां फ्रांसीसी कमान्डर जनरल पैरो के नेतृत्व में विभिन्न युद्धों में भाग लेना पड़ा, जैसे 1796 में बुन्देलखण्ड का युद्ध, चान्दखोरी का युद्ध, मालपुरा में जयपुर राजा के विरुद्ध युद्ध, 1799 में रामपाल राजपूत के विरुद्ध युद्ध आदि। अपने युद्ध कौशल के कारण पैरो ने स्कीनर को एक घुड़सवार दल का कमान्डर बना दिया। लेकिन जनवरी वर्ष 1800 में स्कीनर के पैर में उनियारा युद्ध में गोली लग जाने से उसको पूरी रात घायलों के बीच पड़े रहना पड़ा था। वहीं पर स्कीनर ने ये वादा किया था कि अगर मैं जिन्दा बच गया तो एक चर्च अवश्य बनवाऊंगा। उसने कुछ वर्षों बाद वादे अनुसार दिल्ली के कश्मीरी गेट के पास चर्च को बनवाया। मराठा सेना में एक घुड़सवार दल का कमान्डर होने के बावजूद उसने 1803 में दिल्ली में अंग्रेज सेना से लड़ने से मना कर दिया। फिर कुछ अन्य साथियों के साथ लार्ड लेक की अंग्रेज सेना में शामिल हो गया।

अंग्रेज सेना में जाने के बाद भी स्कीनर को लगातार युद्धों में भाग लेना पड़ा, जैसे मुकन्दरा पास युद्ध, पिन्डारियों के विरुद्ध व भरतपुर युद्ध आदि। तब अंग्रेजों ने स्कीनर को कर्नल तो पदोन्नत किया ही बल्कि उसका रुतबा काफी बढ़ाया। वर्ष 1809 में उसको एक बडे घुड़सवार दल का कमान्डर बनाकर हांसी (हरियाणा) में नियुक्त कर दिया। उसी काल में हांसी में अंग्रेजों ने कैवलरी कैन्ट भी बना दिया था। कुछ समय बाद रेजिडेंट सिटन के अनुरोध से कर्नल जेम्स स्कीनर को हांसी क्षेत्र जागीर के तौर पर प्रदान किया गया। उसके बाद स्कीनर अत्यधिक सम्पन्न हो गया तथा उसके अंग्रेज उच्च अधिकारियों से सीधे सम्बन्ध बनने लगे।

हांसी में स्थित कर्नल जेम्स स्कीनर की कोठी का बाहरी दृश्य तथा दाएं उनकी बेगम का मकबरा। इस मकबरे पर फारसी में शिलालेख भी लिखा हुआ है।

विलियम फ्रेजर और मेवात के नवाब अहमद बक्स से मिलकर उन्होंने हांसी से ही घोड़ों का व्यापार किया। तब स्कीनर ने दिल्ली में एक भव्य कोठी तथा विशाल चर्च का निर्माण करवाया। अति प्रतिभावान स्कीनर ने 1825 में दो ग्रन्थ फारसी भाषा में लिखे थे जो तत्कालीन शासकों एवं विभिन्न जातियों के बारे में हैं। स्कीनर के योगदान से ही 1815 में हिसार में अंग्रेजों ने घोड़ा फार्म स्थापित किया था।

स्कीनर के ग्रन्थों का नाम तजकीरत अल उमरा तथा तसरीह अल अकवाम है जो लन्दन स्थित ब्रिटिश लाइब्रेरी में ही उपलब्ध है। स्कीनर की कई पत्नियां थी, जो सभी भारतीय थी। उनमे से दो के तो हांसी के चार कुतुब में मकबरे भी हैं। भारतीय सेना में भी स्कीनर्स होर्स नाम से एक रिसाला बनाया गया था। उस अद्भुत हस्ती कर्नल जेम्स स्कीनर का 63 वर्ष की आयु में 4 दिसम्बर 1841 को स्वर्गवास हो गया तथा उसको दिल्ली स्थित चर्च परिसर में फ्रेजर की कब्र के साथ दफन कर दिया गया।

समाज को संस्कृति से जोड़ने में लोक कला अहम : केलापति

कलाकार ओ.पी. पाल

हरियाणवी लेखक व कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी कलाओं के हुनर बिखेरकर हरियाणवी संस्कृति को पहचान देते आ रहे हैं। ऐसी ही हरियाणवी कलाकार ने अपने हिंदी और हरियाणवी भाषा में गीतों, कविताओं और भजनों का लेखन करने के साथ अपनी गायन कला और अभिनय के माध्यम से बड़ी पहचान बनाई है। एक शिक्षिका, समाजसेवी, अभिनेत्री और गायक कलाकार केलापति राहीवाल ने हरिभूमि संवाददाता से अपनी लोक कला के सफर को लेकर कई ऐसे पहलुओं को सामने रखा, जिसमें लोक कला का समाज को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने के प्रति नई दिशा देने में अहम योगदान है।

हरियाणवी लोक कलाकार केलापति राहीवाल का जन्म 01 फरवरी 1962 को हिसार जिले के गांव सरसौद में एक छोटे से किसान परिवार में फकर सिंह व रूकमण देवी के यहां हुआ। उनके पिता खेती-बाड़ी व पशुपालन का काम करते थे। उनकी माता को संगीत व नृत्य के प्रति बहुत लगाव था। हमेशा ही वह सुबह जब सुबह हाथ वाली चक्की से आटा पीसती थी, तो सुंदर गीत और भजन गाती रहती थी। वहीं उस जमाने में गांवों में सभी मौहल्ले और आस पड़ोस की औरतें कुंए से पानी भरने के लिए जाती थी, तब भी उनकी माता गीत गाते हुए चलती थी और वह भी उनके पीछे कुएं पर पहुंच जाती थी, जिसका असर पड़ना स्वाभाविक था। मसलन उन्हें गीत-संगीत की कला मां से विरासत में मिली, तो इसी कारण बचपन से ही उन्हें भी कला संगीत में अभिरुचि पैदा हुई। यही कारण था कि इन्होंने स्कूली शिक्षा के दौरान चौथी कक्षा से ही शनिवार की बालसभा में कविता, गीत और भजन सुनाना भी शुरू कर दिया था। पढ़ाई में भी वह अव्वल रहीं, जिसके कारण शिक्षकगणों का आशीर्वाद मिला और वह भी अपने मन में अध्यापकों के प्रति बहुत मान सम्मान रखती थी। बकौल केलापति, उन्होंने एमए (हिंदी) स्नातकोत्तर की उच्च शिक्षा हासिल करने के साथ डीएड, प्रभाकर और स्नातकोत्तर शिक्षा कार्यक्रम (पीआरईपी-एनएम) भी किया है। इसके बाद उनकी छह अप्रैल 1988 को हरियाणा शिक्षा विभाग में एक शिक्षक के रूप में नौकरी लग गई। करीब 32 साल तक अध्यापन कार्य करने के बाद 31 जनवरी 2020 में सेवानिवृत्त हुई। शिक्षिका की नौकरी के दौरान उन्होंने जहां अध्यापन प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनिंग जैसे शिक्षण कार्य की हरेक गतिविधि में बढ़चढ़कर अपने कर्तव्य का निर्वहन किया, वहीं उन्होंने जनहित के कार्यक्रमों पोलियो अभियान, जनगणना आदि में भी अपना योगदान दिया है।

सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने लोक कला के क्षेत्र में विभिन्न विधाओं के साथ सक्रिय होकर अपनी भूमिका को आगे बढ़ाने का सिलसिला जारी रखा हुआ है। दूसरी ओर परिवार में केलापति की जिम्मेदारी बेहद अहम रही, क्योंकि वह अविवाहित हैं और अपने परिवार के साथ ही रहती हैं। उनका परिवार वर्तमान में हिसार में रहता है।

पुरस्कार और सम्मान

महिला लोक कलाकार केलापति को हाइफा की प्रतियोगिताओं के गीत कॉम्पिटिशन में दो बार प्रथम, एक बार द्वितीय और हाल ही सात्वनां पुरस्कार हासिल किया है। फिल्म अभिनेता और निर्देशक यशपाल शर्मा ने उनकी गायन शैली से प्रभावित होकर उन्हें बहुत मान सम्मान के साथ लेडी लख्मीचंद के नाम दिया है। केलापति को अध्यापन कार्य के दौरान भी राज्य, जिला और खंड स्तर पर अनेक पुरस्कार व सम्मान मिले हैं।

अभिनय के रूप में छोड़ी छाप

केलापति राहीवाल ने स्कूल और कॉलेज में शैक्षिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक मंचों पर भी गीत और भाषण तथा अभिनय के रूप में अपनी कला का प्रदर्शन किया, उन्होंने अधिकांश फिल्मों व वेब सीरीज में दादी का किरदार निभाया है। उनकी विभिन्न विधाओं में कला को हरियाणवी फिल्मों और वेब सीरीज में भी बेहद पसंद किया जाता है। इन्होंने हरियाणवी फिल्म घूंघट, हरियाणा, हरियाणा की बेटी, मां, हरियाणा केसरी, मुआवजा, काला कौन है जैसी फिल्मों में अभिनय के साथ गायन भी निभाया। खुशमिजाज मजाकिया स्वाभाव की कलाकार होने के नाते शूटिंग और सैट पर पूरी टीम उन्हें भरपूर मान-सम्मान देती है। वहीं उनके यूट्यूब चैनल पर खुद के लिखे और गाये गये गीत और भजन भी प्रचलित हैं, जिन्हें खूब पसंद किया जा रहा है।

आधुनिक युग में चुनौती

लोक कलाकार केलापति राहीवाल का कहना है कि आजकल की युवा पीढ़ी को हरियाणवी संस्कृति के प्रति प्रोत्साहन देने की जरूरत है, क्योंकि पाश्चात्य संस्कृति का दुष्प्रभाव हमारी भारतीय संस्कृति को दूषित कर रहा है। युवा पीढ़ी को सरकारी स्तर और स्कूल व कॉलेज में सांस्कृतिक रूप से प्रोत्साहन देने की जरूरत है, ताकि उनके भविष्य को सुधारकर उन्हें अपनी संस्कृति और सभ्यता और परंपरा से जोड़ा जा सके।

खबर संक्षेप

स्वदेशी वस्तु अपनाने को लेकर किया जागरूक

गन्नौर। शहर के राजकीय माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मंच के गन्नौर खंड संयोजक डा. प्रदीप राठी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते कहा कि भारत के 37 करोड़ युवा देश की अमूल्य संपदा हैं।

स्वतंत्रता दिवस पर कृत्रिम अंगों का होगा वितरण

गन्नौर। भारत विकास परिषद गन्नौर शाखा द्वारा 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग भेंट किए जाएंगे। कार्यक्रम का आयोजन जीटी रोउजैन गर्ल्स कालेज में आयोजित होगा। भाविप शाखाध्यक्ष संदीप सिंघल ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष अरुण त्यागी एवं विशिष्ट अतिथि गन्नौर थाना प्रभारी धीरज होंगे।

पुरानी तहसील में चलाया सफाई अभियान

सोनीपत। स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ सोनीपत अभियान के तहत कपड़ा मार्केट पार्किंग, पुरानी तहसील परिसर तथा सिटी पुलिस स्टेशन प्रांगण में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दूसरे चरण में उन परिसरों की चुनकर सफाई करवाई जा रही है जहां कई माह से पुराना कूड़ा जमा है। अभियान की अगुवाई करते हुए राजीव जैन ने कहा कि स्वच्छता में निरंतरता जरूरी है, इसके लिए सभी को सहयोग देना चाहिए।

वेंचर कैपिटल फंडिंग पर विद्यार्थियों को दी जानकारी

सोनीपत। हिंदू कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, सोनीपत में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल द्वारा शुक्रवार को आईआईसी कैलेंडर गतिविधि के अंतर्गत एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का नेतृत्व कॉलेज के निदेशक व आईआईसी के एचओआई प्रोफेसर (डॉ.) डीपी सिंह ने किया, जिन्होंने एंजल इन्वेस्टमेंट एवं वेंचर कैपिटल फंडिंग के अवसरों पर प्रकाश डाला।

हर घर तिरंगा कैंप में 120 छात्राओं ने बनाई पेंटिंग

गोहाना। बुटाना गांव स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, पटियाला के तत्वावधान में हर घर तिरंगा अभियान के तहत पेंटिंग कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में विद्यालय की लगभग 120 छात्राओं ने प्रतिभागिता करके अपने कला-कौशल से राष्ट्रीय ध्वज की विविध एवं आकर्षक पेंटिंग तैयार की। कैंप की जिम्मेदारी धर्म पुत्र कला मंच के अध्यक्ष मनोज को सौंपी गई।

ड्यूटी पर जा रहे बुजुर्ग की संदिग्ध हालत में मौत

सोनीपत। वेस्ट राम नगर गली नंबर-2 निवासी संजीव कुमार ने बताया कि उसका भाई राजेंद्र कुमार (58) दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में बतौर टेक्नीशियन के पर कार्यरत था। वह घर से तैयार होकर दिल्ली अस्पताल में जा रहा था। घर से निकले के बाद कुछ दूरी पर अचानक गिर गया। राहगीरों ने मामले को लेकर परिवार के सदस्यों को अवगत करवाया।

संदिग्ध हालत में युवक की मौत, शिनाख्त नहीं

सोनीपत। संदिग्ध हालत में युवक का शव पड़ा हुआ है। राहगीर ने मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। सूचना के बाद बहालगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जांच अधिकारी यशपाल ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

कैंटर की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

सोनीपत। दिल्ली निवासी संजय ने बताया कि उसका बेटा सचिन (30) कुंडली फैक्टरी में काम करता है। वह हाल में वह खेड़ा यूपी में गया हुआ था। वहां से वापस कंपनी में लौट रहा था। जीटी रोड पर कुंडली फ्लाईओवर पर पहुंचने के बाद सड़क पर खड़े कैंटर में बाइक जा टकराई। हादसे में सचिन की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों ने मामले को लेकर पुलिस को सूचना दी।

विजेता खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया

खंड स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में ग्लोबल स्कूल ने मारी बाजी

कनिष्क ने 100 मी. में प्रथम व 200 में तृतीय स्थान प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

ग्लोबल पब्लिक स्कूल की टीम ने शैक्षणिक खंड गोहाना के खंड स्तरीय खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता खिलाड़ियों को स्कूल के एमडी पंकज जाले और प्राचार्या प्रीति शर्मा ने स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया।

स्कूल की टीम ने अंडर-14 से कम आयु वर्ग में अपनी प्रतिभा प्रदर्शित की। टीम में अंश कुमार, केशव, कार्तिक, वासु, मयंक, अंश मलिक, अंश, अभि, प्रतीक, दीपांशु और सोयम शामिल रहे। स्कूल की टीम ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अलावा स्कूल के खिलाड़ियों ने अंडर-14 से कम आयु वर्ग की एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कनिष्क ने 100 मी. की दौड़ में प्रथम व 200 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ी वंश ने 3 किलोमीटर और 200 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान हासिल किया।

गोहाना। ग्लोबल स्कूल के विजेता विद्यार्थी अपने गुरुजनों के साथ। फोटो : हरिभूमि

खरखौदा। विजेता खिलाड़ी कोच पुरुष आर्य के साथ। फोटो : हरिभूमि

गुरुकुल मटिंडू में खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता सम्पन्न

खरखौदा। गुरुकुल मटिंडू में खंड स्तरीय खेलों का शुक्रवार को समापन हो गया। जिसमें अनेक स्कूलों की टीमों ने भाग लिया। दौरान एथलेटिक्स, खो -खो, योग आदि अन्य खेल कराए गए। जिसमें अंडर-14, अंडर-17, अंडर-19 आयु वर्ग के बच्चों ने भाग लिया। जिसमें योग प्रतियोगिता में आर्य स्कूल रोहणा ने प्रथम, प्रताप स्कूल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सरकारी स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया जिसमें कोच यशपाल, योगा कोच पौरुष आर्य व अन्य कोच शामिल रहे।

छात्रों को मेहनत-अनुशासन का महत्व समझाया

- साउथ पॉइंट संस्थान में नए विद्यार्थियों का स्वागत समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। हवन यज्ञ में हिस्सा लेते साउथ पॉइंट के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

शैक्षणिक सत्र 2025-26 की एक नई और ऊर्जावान शुरुआत के उपलक्ष्य में, साउथ पॉइंट इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट और साउथ पॉइंट स्कूल ऑफ पॉलीटेक्निक ने अपने प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक विशेष हवन समारोह का आयोजन किया। संस्थान परिसर के शांत और हरे-भरे वातावरण में आयोजित कार्यक्रम ने गहरा सकारात्मक और आध्यात्मिक माहौल पैदा किया। वैदिक मंत्रों की गूंज और यज्ञ की सुगंध ने पूरे परिसर को एक पवित्रता और आशा की भावना से भर दिया। यह समारोह नए शैक्षणिक सफर के लिए एक शुभ और प्रेरणादायक शुरुआत थी। हवन में संस्थान के सभी प्रमुख सदस्य उपस्थित थे। चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री, एग्जीक्यूटिव चेयरमैन रोहित खत्री, वाइस चेयरपर्सन वर्तिका खत्री, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. ममता सचदेवा और सीईओ भावना कालरा ने विशेष रूप से इसमें भाग लिया। उनके साथ-साथ दोनों कॉलेजों के प्रिंसिपल्स, सभी विभागों के प्रमुख और शिक्षकगण भी मौजूद थे। शिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर आहुति दी और उनके उज्ज्वल भविष्य, अकादमिक सफलता और समग्र कल्याण के लिए प्रार्थना की।

सोनीपत। विधायक निखिल मदान को सम्मानित करते हुए।

एनएलसी भारत गैर-राजनीतिक मंच: मदान

सोनीपत। वैश्विक स्तर पर विधायकों के सहयोग को बढ़ाने के लिए एक खास पहल के तहत 24 राज्यों और 21 राजनीतिक दलों के 130 से ज्यादा विधायकों का बोस्टन, अमेरिका में नेशनल कांफ्रेंस ऑफ स्टेट लेगिसलेचर द्वारा विधायी सम्मेलन आयोजित किया गया। सोनीपत से भाजपा विधायक निखिल मदान ने इसमें हिस्सा लिया। निखिल मदान ने बताया कि एनएलसी भारत एक गैर-राजनीतिक मंच है, जो भारतीय विधायकों की क्षमता बढ़ाने और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक बातचीत को बढ़ावा देने के लिए काम करता है। यह समूह 24 राज्यों और 21 राजनीतिक दलों के 130 से ज्यादा विधायकों का है, जो किसी भी अंतरराष्ट्रीय लोकतांत्रिक मंच पर भारत की अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी को दर्शाता है। यह पहल लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए देशों के बीच बातचीत, सहयोग और ज्ञान साझा करने की भावना को दिखाती है। निखिल मदान ने कहा कि मेरे राज्य और विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व वैश्विक मंच पर करना गर्व की बात है।

गोहाना के विकास में लापरवाही बर्दाश्त नहीं: डॉ. अरविंद शर्मा

गोहाना। कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि चाहता है कि उसके इलाके का विकास हो। हम सभी जनप्रतिनिधियों का संकल्प भी गोहाना का विकास होना चाहिए। गोहाना के विकास में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। जनप्रतिनिधि प्राथमिकता के आधार पर विकासकार्यों को लेकर डिमांड दें और अधिकारी एस्टीमेट तैयार करें। मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने शुक्रवार को नगर परिषद परिसर गोहाना में अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। वे नगर परिषद में अपनी पत्नी डॉ. रीटा शर्मा के साथ पहुंचे। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सभी पार्षदों से अपने-अपने वार्डों से संबंधित विकास कार्यों की डिमांड लें, जिसमें प्राथमिकता के आधार पर 3-3 कार्यों के एस्टीमेट तैयार करें। सूची शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल के पास सूची भेजी जाए ताकि वित्तीय राशि का प्रावधान करवाया जा सके। कहा कि अधिकारी जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर अधूरे कामों व हाल ही में मंजूर हो चुके विकास कार्यों को तेजी से पूरा करवाएं ताकि आमजन को उसका पाबंद अवधि में लाभ मिले।

तिरंगा यात्रा 11 को निकाली जाएगी : डॉ. आदित्य

गोहाना। शुक्रवार को भाजपा जिला गोहाना की सोनीपत रोड स्थित जिला कार्यालय में बैठक संपन्न हुई। बैठक में 11 अगस्त को निकाली जाने वाली तिरंगा यात्रा को लेकर विचारविमर्श किया गया। अध्यक्षता भाजपा जिला गोहाना के अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक ने की। मुख्य अतिथि तिरंगा यात्रा के प्रदेश सह संयोजक डॉ. आदित्य बत्रा ने बताया कि 11 को गोहाना में स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इस तिरंगा यात्रा में पूर्व सैनिक, सभी धार्मिक और सामाजिक संगठन और शिक्षण संस्थाओं के प्रबुद्ध नागरिक हिस्सा लेंगे। विशिष्ट अतिथि गोहाना की प्रभारी डॉ. किरण कलकल रहीं। बैठक में पहलवान योगेश्वर दत्त, प्रदीप सांगवान, इंद्रजीत विरमानी, महेंद्र चिड़ाना, जितेन्द्र शर्मा, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, डॉ. रमेश कश्यप, रीना शर्मा, नरेंद्र गहलावत, सूरजमल शर्मा, डॉ. राममेहर राठी, राजेश भावड़, जस्सी खुराना, जगबीर जैन, सूरत सिंह, इंद्रपाल, अशोक सैन, प्रवीण कश्यप व प्रदीप बड़वासनी उपस्थित रहे।

गोहाना। बैठक को संबोधित करते डॉ. आदित्य बत्रा। फोटो : हरिभूमि

खरखौदा। पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता के प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

ड्रग्स जागरूकता प्रतियोगिता में अनु अव्वल

खरखौदा। शहीद दलबीर सिंह राजकीय महाविद्यालय पीपली में धूम्रपान निषेध समिति द्वारा पोस्टर मेकिंग और स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया। ये प्रतियोगिता ड्रग जागरूकता के तहत कराई गई। जिसका आयोजन प्राचार्या डॉ तराना नेगी के मार्गदर्शन में किया गया। प्रतियोगिता महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ किरण सरोहा की देख-रेख में आयोजित की गई। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते कहा कि ड्रग्स का सेवन नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। इस प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. रजनीश, डॉ. मनदीप और नीरा द्वारा निभाई गई। प्रतियोगिता में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा तनु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन धूम्रपान निषेध समिति की प्रभारी डॉ बीना रानी और डॉ संगीता कुमारी द्वारा किया गया। दूसरे चरण में हर घर तिरंगा मुहिम पर रैली निकाली गई।

विद्यार्थियों ने बनाई सुंदर राखियां

गोहाना। गुढ़ा रोड स्थित जेएलएन विद्यालय गोहाना में रक्षाबंधन के अवसर पर राखी बनाने की प्रतियोगिता करवाई गई। प्रतियोगिता में विजेता घोषित विद्यार्थियों को विद्यालय की प्रबंधक कृष्णा शर्मा ने सम्मानित किया। संयुक्त अध्यक्षता एमडी सुनील शर्मा और प्राचार्य डॉ. सचिन शर्मा ने की। संयोजन उप प्राचार्य सूरत शर्मा का रहा।

प्रतियोगिता में कक्षा पहली से सानवी, कीया व परिशा, कक्षा दूसरी से पल्लवी, नीति व वंशिका, कक्षा तीसरी से नैंसी, विहान, प्रीति व यशस्वी, कक्षा चौथी से माही, जानवी, विहान व गर्व शर्मा, कक्षा पांचवीं से हिमांशी, ईशान व इशिका, कक्षा छठी से आठवीं के ग्रुप मे प्रथम तमन्ना, द्वितीय अक्षिता और तृतीय स्थान पर कीर्ति और शिखा रहीं। निर्णायक मंडल में प्रीति यादव, मनीषा सांगवान, राधिका व पूजा मल्होत्रा शामिल रहे।

गोहाना। राखियां बनाते जेएलएन विद्यालय के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

खरखौदा। युवा संसद में भाग लेती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

मुस्कान को चुना सर्वश्रेष्ठ वक्ता

खरखौदा। राजकीय कन्या वमावि रोहणा में राज्य शैक्षणिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान परिषद गुरुग्राम के तत्वावधान में युवा संसद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 50 छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका जिला शैक्षिक प्रशिक्षण संस्थान बीसवां मील से आए विषय विशेषज्ञ एवं कार्यक्रम के समन्वयक जगबीर राणा, डॉ जितेंद्र कुमार व धर्मवीर द्वारा निभाई गई। स्क्रिप्ट लेखन एवं मार्गदर्शन का कार्य राजनीति शास्त्र के प्रवक्ता विनोद द्वारा किया गया। युवा संसद कार्यक्रम में सरपंच की भूमिका निभा चुकी साक्षी (12 वीं) ने प्रधानमंत्री की भूमिका निभाई। लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका रिया (कक्षा ग्यारहवीं) ने निभाई। महक 11वीं ने नेता प्रतिपक्ष की भूमिका निभाई। मुस्कान ने विदेश मंत्री की भूमिका निभाई। जिसे सर्वश्रेष्ठ वक्ता चुना गया। डॉ जितेंद्र,जगबीर राणा ने युवा संसद कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सोनिया,अंजू देवी, डॉ मुकेश कुमार, सुशील , अमित सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

सोनीपत। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं के साथ प्रतिभागी।

ईसीओ प्रशिक्षण का सफल समापन

सोनीपत। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) गुरुग्राम के दिशा-निर्देशानुसार डाइट बौसवांमील परिसर में आयोजित पांच दिवसीय इसीओ (इफेक्टिव क्लासरूम ऑब्जरवेशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज समापन हो गया। यह प्रशिक्षण सभी एबीआरसी व बीआरपी के लिए आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य कक्षा में शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार लाना और शिक्षकों के बच्चों के प्रति व्यवहार के प्रभावी अवलोकन की समझ विकसित करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एससीईआरटी से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर किरण ड्रोलिया, सुनन्दन कुमार, डॉ. नवीन, कीर्ति, प्रज्ञा मास्कर और मनोज कुंडू ने प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन डाइट प्राचार्या रचना बाना ने सभी प्रतिभागियों को सफल प्रशिक्षण पूर्ण करने पर शुभकामनाएं दीं और भविष्य में गुणवत्ता-आधारित शिक्षण हेतु प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संयोजन डाइट प्रवक्ता जेस्मिन कौर और राकेश कौशिक ने किया।

भारत छोड़ो आंदोलन पर विशेष सभा का आयोजन

- ब्राइट स्कॉलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर स्कूल में कार्यक्रम के दौरान छात्र प्रस्तुति देते हुए।

ब्राइट स्कॉलर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को भारत छोड़ो आंदोलन पर विशेष सभा का आयोजन किया गया। इस दिवस के उपलक्ष्य में बारहवीं कक्षा के मानविकी के छात्रों द्वारा एक विशेष प्रातःकालीन सभा का आयोजन किया गया। सभा की शुरुआत स्वागत भाषण और भारत छोड़ो आंदोलन के परिचय के साथ हुई, जिसके बाद शपथ ग्रहण समारोह हुआ।

छात्रों द्वारा अगस्त क्रांति नामक एक भूमिका-नाटक गतिविधि का प्रदर्शन किया गया, जिसमें स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्षों और विजयों पर प्रकाश डाला गया। करो या मरो की अवधारणा पर भी चर्चा की गई, जिसमें भारत की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वालों के साहस और दृढ़ संकल्प पर जोर दिया गया। प्रधानाचार्या किरण दलाल ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और देश के इतिहास को याद रखने के उनके समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा, छात्रों को हमारे स्वतंत्रता संग्राम और उसके महत्व में रुचि लेते देखना उत्साहजनक है। सभा का समापन भारत छोड़ो आंदोलन के महत्व और आज की पीढ़ी के लिए उसकी प्रासंगिकता पर चिंतन के साथ हुआ। यह कार्यक्रम देश के स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति श्रद्धांजलि थी तथा एक मजबूत, एकजुट और न्यायपूर्ण भारत के लिए काम करने के महत्व की याद दिलाता था।

सोनीपत। बैठक के दौरान उपस्थित भाजपा नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता।

तिरंगा यात्रा को लेकर बैठक हुई

सोनीपत। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में आयोजित बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भाजपा ने हर घर, हर गली, हर गाँव, हर कस्बे और हर शहर में तिरंगा यात्रा निकाली जाने की जानकारी दी। मुख्य अतिथि डॉ. आदित्य चावला रहे, वहीं बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज ने की। संबोधन में कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि यह हमारे देश की आत्मा, गौरव और बलिदान की पहचान है। यह हमें एकता, अखंडता और स्वतंत्रता का संदेश देता है। जिला मीडिया प्रभारी अधिवक्ता दिनेश अत्री ने बताया कि यह तिरंगा यात्रा वीर शहीदों के सम्मान को समर्पित होगी। कार्यक्रमों में शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा, तिरंगे को पूर्ण मान-सम्मान और गर्व के साथ फहराया जाएगा और देशभक्ति के इस जज्बे को फोटो व वीडियो के माध्यम से सोशल मीडिया सहित सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फैलाया जाएगा, ताकि स्वतंत्रता दिवस एक जन-आंदोलन के रूप में मनाया जा सके। जिला प्रभारी सतीश नांदल, हर घर तिरंगा जिला संयोजक आदि मौजूद रहे।

भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृति में सोनीपत में भव्य समारोह

युवा आजादी को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं : कमल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस सेवाल के पदाधिकारी साथ में कांग्रेस नेता कमल दिवान एवं अन्य।

आजादी हमें आसानी से नहीं मिली, इसके पीछे लाखों देशवासियों की कुर्बानी है। आज युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे इस आजादी को मजबूत करने में योगदान दें।यह बात कांग्रेस नेता कमल दिवान ने भारत छोडो आंदोलन की 183वीं वर्षगांठ पर आयोजित पदयात्रा के दौरान कही है। उन्होंने कहा कि 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी के नेतृत्व में शुरू हुआ यह आंदोलन ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक निर्णायक मोड़ था, जिसने भारत के स्वतंत्रता संघर्ष को नई दिशा दी। इस आंदोलन का नारा करो या मरो आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। शुक्रवार को भारत छोड़ो आंदोलन की 183वीं वर्षगांठ पर गांधी चौक से सुभाष चौक तक पदयात्रा निकाली गई। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कमल दिवान व जयभगवान अंतिल रहे। कमल दिवान ने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश की प्रगति, भाईचारे और लोकतंत्र की रक्षा में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। पदयात्रा में भारी संख्या में युवा, कांग्रेस के नेता, कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता व शहरवासियों ने भाग लिया।पदयात्रा में युवाओं में देशभक्ति की भावना का संचार देखा गया और स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष को स्मरण कर उनके मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाया गया। पदयात्रा की अध्यक्षता जिला सेवादल अध्यक्ष इसाक अली ने की, कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता राकेश सौदा ने किया। पदयात्रा में भारत माता के जयकारों से वातावरण गूंज उठा और तिरंगा झंडा लहराते बच्चों ने उत्सव को खास बना दिया। आयोजन का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह आयोजन न सिर्फ ऐतिहासिक स्मृतियों को ताजा करने वाला रहा, बल्कि समाज में राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश भी दिया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कृष्णा बुमरा, दयानन्द वाल्मीकि, सुरेन्द्र शर्मा, प्रेम नारायण गुप्ता, जोगिन्द्र राठी, अनुज छाबड़ा, आशा अहलावत, ओमकवार जाबांज, सावित्री मलिक, प्रमिला मलिक, रेखा मलिक, सुनील कौशिक, इन्द्रपाल, बंशी कुंडू, संजीव दहिया, राकेश नरवाल, बिन्नी भारद्वाज, सन्जूबाला जगशेर नूरणखेड़ा, जयसिंह मलिक, सुशीला अहलावत, अन्जू बाला खटक, मुकेश पन्नालाल, सतनाम सिंह, बिजेन्द्र सरपंच जाजी, हरविंद्र मंडल, रीतुराज, युधिष्ठिर सौदा, महावीर सिंह, राकेश रिडाऊ, अमृतलाल, विशाल सौदा, यामीन, डा. सुभाष, महेष कुमार, बिजेंद्र गोखी, रणधीर सिंह हुड्डा, राजेश सेवली, प्रेम रेलन, मदन टुटेजा, मनोज रिढ़ाऊ, बिमला, पूनम राठी उपस्थित रहे।

सोनीपत। अस्पताल में धरना देकर रोष-प्रकट करते आशा वर्कर्स।

आशा वर्कर्स का धरना जारी

सोनीपत। सिविल अस्पताल में आशा वर्कर्स का धरना शुक्रवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। धरने में सीएससी जुआ की आशा कर्मी भी शामिल रहीं। आशा वर्कर्स का कहना है कि 9 माह से मानदेय नहीं मिला है, जिसको लेकर वे 6 अगस्त से लगातार आंदोलन कर रही हैं। धरने पर मौजूद आशा वर्कर्स ने आरोप लगाया कि सिविल अस्पताल के वित्त विभाग ने मानदेय से जुड़े बजट बिल समय पर स्टेट हेड क्वार्टर को नहीं भेजे।

सूचना

मैं, हरपाल सिंह पुत्र दीपचंद निवासी गांव ककाना भादरी, उप-तहसील खानपुर कलां, जिला सोनीपत बयान करता हूं कि मेरा पुत्र नीरज मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

मानव जीवन को संस्कारित करना बहुत जरूरी : प्रो. सुदेश

■ महिला विवि में संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति विषय पर दो दिवसीय व्याख्यान एवं पुरस्कार कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गोहाना। सांस्कृतिक कलाकृतियों का अवलोकन करते हुए कुलपति प्रो. सुदेश व डॉ. सीडी एस कौशल।

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां के इंस्टिट्यूट ऑफ हायर लर्निंग के संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति विषय पर दो दिवसीय व्याख्यान एवं पुरस्कार कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के सयुंक्त तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सुदेश रहीं।

मुख्य वक्ता हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी पंचकूला के संस्कृत प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ. सीडीएस कौशल ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बिना संस्कृत के ज्ञान के देश का भविष्य सुरक्षित नहीं है। मानव जीवन दुर्लभ है । इसको संस्कारित करना बहुत जरूरी है। भारत की विशाल ज्ञान परम्परा को आत्मसात करें। डॉ कौशल ने कहा कि संस्कार विहीन विकास स्थायी नहीं होता। पहले संस्कृत के लिए ही गुरुकुल की स्थापना होती थी। उन्होंने बताया कि पुराणों में कहा गया है जो लोग धर्म का पालन नहीं करते, जिन्हे ज्ञान नहीं है, जो लोग साहित्य, संगीत एवं कला नहीं जानते उनका जीवन पशु के समान है। उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में प्रतिदिन संस्कृत का प्रवेश होना चाहिए। संस्कृत का विश्वघोष करना है। डॉ. कौशल ने कहा कि महिला विवि में अनुशासन व ऊर्जा अपार है। यहां हर वर्ष संस्कृत शिविर लगना चाहिए। संस्कृत भाषा के प्रचार व प्रसार के लिए काम करें। प्राचार्य डॉ. वीणा ने कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुषिता ने प्राप्त किया, दूसरे स्थान पर पलक और तीसरे स्थान पर आभा रही। कार्यक्रम में प्रतियोगिता की विजेता छात्राओं को पुरस्कृत भी किया गया।

संस्कृत हमारी धरोहर है

कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा मात्र नहीं है बल्कि हमारी धरोहर है। महिला विश्वविद्यालय 1936 में अपनी स्थापना से ही संस्कृत व संस्कृति के लिए काम कर रहा है। इस क्षेत्र में गुरुकुल परम्परा बहुत पुरानी है। गुरुकुल संस्थान त्याग और तपस्या से बना है। कुलपति ने कहा कि संस्कृत वैज्ञानिक भाषा है।

जेआरएफ परीक्षा उतीर्ण करने वाली मेधावी छात्राएं अलंकृत

गोहाना। छात्राओं को सम्मानित करते महिला कुलपति प्रो. सुदेश व अन्य। फोटो : हरिभूमि

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां में यूजीसी नेट/जेआरएफ परीक्षाः 2025 में उत्तीर्ण छात्राओं के लिए विवि के आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. सुदेश ने की। प्रो. सुदेश ने कहा कि परीक्षा उतीर्ण करना छात्राओं के लिए केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है अपितु संस्थान के लिए भी यह गौरव की बात है। छात्राओं की सफलता ने एक बार पुनः यह साबित कर दिया है कि निरंतर मेहनत और एकाग्रता से अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर चलते रहने से ही सफलता मिलती है न कि किसी शॉर्टकट से। कुलपति ने छात्राओं को अपने ज्ञान का विस्तार करने और उसे दूसरों के साथ बांटने का आह्वान किया। इससे न केवल उनके अपने ज्ञान में वृद्धि होगी बल्कि उनकी जूनियर छात्राओं को भी प्रेरणा मिलेगी। प्रो. सुदेश ने छात्राओं को रिसर्च पर ध्यान केंद्रित करने पर भी बल दिया। विवि से एलएलबी और एलएलएम करने वाली छात्रा ज्योति ने कहा कि हमारे शिक्षक इतना अच्छा पढाते है कि हमें कहीं और से कोचिग की जरूरत नहीं रही। छात्राओं ने छात्रावास में एक छोटी लाइब्रेरी की मांग रखी जिसे कुलपति ने तुरंत प्रभाव से स्वीकृति दे दी। आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. अशोक वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय की कुल 37 छात्राओं ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की जिसमें से 8 छात्राओं ने जेआरएफ परीक्षा पास की है। इस अवसर पर कुलपति ने उत्तीर्ण छात्राओं को प्रशंसा पत्र भी दिए। कार्यक्रम में निदेशक यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर कॉम्पिटेटिव एग्जाम लेफ्टिनेंट कर्नल डॉ. अनिल बल्हारा ने भी छात्राओं को सम्बोधित किया। इस अवसर पर सभी विभागाध्यक्ष व डीन मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मूक बधिर बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन का पर्व

सोनीपत। मूक बधिर स्कूल में सेफ इंडिया फाउंडेशन ने बधिर बच्चों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। सेफ इंडिया फाउंडेशन के प्रधान संजय सिंगला व चेयरमेन वाई के त्यागी ने बताया कि यह बधिर बच्चों के स्कूल की रसोई और बच्चो की अन्य जरूरत सेफ इंडिया फाउंडेशन द्वारा पूरी की जाती है। सेफ इंडिया के प्रकल्प इंचार्ज अविनाश सेठी ओर बलराज वशिष्ठ ने आमजन से आहवान किया कि अपने बच्चों के जन्मदिन, त्यौहार या अन्य खुशी के मौके इन बच्चों के साथ मनाए ताकि ये बच्चे अपने को अकेला महसूस ना करें।

किसानों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

सोनीपत। हरियाणा किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर किसानों ने मंगलवार को नारेबाजी करते हुए जिले के उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान मोर्चा के संयोजक शीलकराम की अध्यक्षता में किसानों का प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त सोनीपत को मुख्यमंत्री हरियाणा के नाम 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगें किसानों को समय पर खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा उसकी गुणवत्ता की जांच हो, धान की समय पर खरीद की गारंटी दी जाए, जिससे किसानों को मंडियों में भटकना न पड़े, खेतों में जलभराव की समस्या का समाधान किया जाए और सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाया जाए शामिल रही।

जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन

ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में भ्राता वंदन कर मनाया रक्षाबंधन साथ ही छात्रों को पर्व का महत्व भी समझाया

सोनीपत। ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में विद्यार्थियों के साथ स्कूल स्टाफ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में शुक्रवार को अनोखे तरीके से भ्रातृ वंदन कर रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्रों को रक्षाबंधन के महत्व और उसे मनाने के तरीकों पर जानकारी देने हेतु भ्रात्र वंदन कराया गया। जिसमें बहनों द्वारा अपनी अपने भाइयों को रक्षा सूत्र बांधें गए। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक नीरज शर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया। रीमा शर्मा एवं चंचल शर्मा सहित अन्य अध्यापक गण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस अवसर पर छात्रों को संबोधित करते हुए नीरज शर्मा ने कहा कि रक्षा बंधन भावनात्मक बंधनों के महत्व पर जोर देते हुए, रक्त संबंधों से परे है। राखी बनाओ कलाई सजाओ प्रतियोगिता के अंतर्गत छात्र-छात्राओं ने राखी राखी बनाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का परिचय दिया। विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। छात्रों द्वारा बनाई गई राखियों को प्रबंधन द्वारा सैनिक भाइयों को भेजा जाएगा।

मेडीकल कालेज के चिकित्सकों को राखी बांधी

गन्नौर। स्कूल की छात्राएं राखी बांधने के बाद चिकित्सकों के साथ।

गन्नौर। नव ज्योति शिक्षा सदन, खुबडू भांवर की छात्राओं ने पीजीआई, खानपुर जाकर क्षेत्र की सेवा में लगे चिकित्सकों को राखियां बांधी। नेतृत्व प्रिया वशिष्ठ और जसवंत धनखड़ द्वारा किया गया, जिसमें कक्षा 6वीं से 8वीं तक की छात्रा मोनिका, वीनू, सिया, जिया, नव्या, हिमांशी, गरिमा, वृंदा, अदिति, मानवी, प्रियांशी, किरण, दीक्षा ने अपने हाथों से बनी राखियाँ चिकित्सकों को बांधी। छात्रों ने संदेश दिया कि डॉक्टर शरीर के भीतर रोगों से लड़कर हमें सुरक्षित रखते हैं। कोरोना काल में डॉक्टरों ने कोरोना रूपी अदृश्य दुश्मन से लड़ते हुए अपनी जान की परवाह न करते हुए हमारी रक्षा की। इस दौरान अस्पताल में डॉ. जगदीश दूरेजा, ए.पी.एस. बत्रा, डा.चरंजीव, डा. प्रणव बंसल, डा.अनिल गुलिया, डा.संजीव सिंघल, डा.राजेंद्र, डॉ. नवतेज, डा. प्रतीक सहित अन्य चिकित्सक मौजूद रहे। प्रधानाचार्य राजेंद्र कौशिक ने सभी चिकित्सकों का आभार जताया।

ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में मनाया गया रक्षाबंधन का पर्व

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाते नौनिहाल।

सोनीपत। ज्ञान गंगा ग्लोबल स्कूल (जी-3) में रक्षाबंधन का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। स्कूल में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। राखी व कार्ड मेकिंग प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्राचार्या गीता चोपड़ा व उप प्राचार्या रूना दास ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सभी को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं भी दी। प्राचार्या गीता चोपड़ा ने विद्यार्थियों को रक्षाबंधन पर्व के महत्व से भी अवगत करवाया। रंग बिरंगी और आकर्षक राखियों को तैयार करने के बाद स्कूल की छात्राओं ने छात्रों को राखी बांधी। इस अवसर पर उप प्राचार्या रूना दास, कोऑर्डिनेटर नीरजा, महक व गीता राणा, श्वेता, नमिता, मधु, मीनाक्षी, मोनिका, बीना, कुसुम, ज्योति, सोनिया मदान, निशा, सीमा रानी, पारुल, कावेरी, मीनू, अर्चना, सुषमा, आहुति, स्वाति, सरिता, मनीष, खेल इंचार्ज संजीत, पीटीआई राखी सहित सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

पुलिस कर्मियों व चिकित्सकों को गायत्री विद्यापीठ के बच्चों ने राखी बांधी

गन्नौर। नगरपालिका रोड स्थित गायत्री विद्यापीठ में रक्षाबंधन बड़े धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने आपस में एक दूसरे को राखी बांधी। विद्यार्थियों ने सिविल हॉस्पिटल और गन्नौर थाना में पुलिस कर्मियों को राखी बांधकर उनकी सेवाओं के बारे में आभार जताया। सभी पुलिसकर्मियों एवं डॉक्टर ने बच्चों के कार्य की सराहना की। प्रधानाचार्य शकुंतला कौशिक ने छात्रों को राखी के महत्व को बताया कि राखी केवल एक धागा ही नहीं अपितु कर्तव्य को निभाने का एक वादा है। शिक्षिका मोनिका, सुमन, सीमा, निशा, डिंपल, कीर्ति, मोनिका प्रिया, मनीषा, तमन्ना, कनिका, रुचिका ने रक्षाबंधन के बारे में बताया।

माडर्न स्कूल के छात्रों ने बनाई सुन्दर राखियां

गन्नौर। सुन्दर व आकर्षक राखियां दिखाते माईन स्कूल के छात्र ।

गन्नौर। माडर्न पब्लिक स्कूल में भाई-बहन के बीच पारंपरिक रूप से मनाए जाने वाले त्योहार रक्षाबंधन को इस वर्ष अनोखे तरीके से मनाया गया। मुख्य आकर्षक विद्यार्थियो द्वारा बनाई गई सुन्दर राखियां थी। स्कूल चेयरमैन अशोक वर्मा ने छात्र-छात्राओ का उत्साहवर्धन कियाब बच्चों को रक्षावंचन के महत्त्व को बताया कि भले ही जिंदगी कितनी भी व्यस्त हो जाए, रिश्तो में मिठास को बरकरार रखना जरूरी है।

राखी मेकिंग प्रतियोगिता में बाल भवन स्कूल के छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

गन्नौर। बाल भवन इंटरनेशनल स्कूल में रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में राखी मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी से लेकर आठवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता, कला कौशल और पारंपरिक भावनाओं को सुंदर राखियों के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रधानाचार्य जय भारत गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

जैन विद्या मंदिर में रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

सोनीपत। जैन विद्या मंदिर में रक्षाबंधन का पर्व बहुत ही हर्षोल्लास व उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय में छात्रों द्वारा भाई-बहन के पवित्र प्रेम को दर्शाती विभिन्न झांकियां प्रस्तुत की गई। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पारंपरिक परिधानों में रक्षाबंधन से जुड़ी सुंदर प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर छात्राओं ने राखी बनाकर अपने सहपाठियों को बांधी और भाई-बहन के रिश्ते की मिठास को दर्शाया। विद्यालय में राखी मेकिंग, कार्ड मेकिंग जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी कला का सुंदर प्रदर्शन किया। विद्यालय के प्रधान राकेश जैन व प्राचार्या डॉ. नीरू ने सभी छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गन्नौर। प्रधानाचार्य छात्र लविश का सम्मान करते हुए।

लविश ने ताइक्वांडो क्लस्टर गेम्स में स्वर्ण पदक जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

रौनक पब्लिक स्कूल गन्नौर के 8वीं कक्षा के छात्र लविश ने सीबीएसई द्वारा बिरला चाइल्ड अकैडमी सोनीपत में आयोजित ताइक्वांडो क्लस्टर गेम्स प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय की प्रधानाचार्या रजनी शर्मा ने कहा कि उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया है। लविश ने ताइक्वांडो क्लस्टर गेम्स प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। वह अपने क्षेत्र में और भी उपलब्धियां हासिल करेगा।

नपा ने बिना अनुमति चल रहे 9 आरओ प्लांट संचालकों को नोटिस कर मांगे दस्तावेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

नगरपालिका क्षेत्र में बिना अनुमति चल रहे आरओ प्लांट संचालकों की जांच के लिए नगरपालिका ने नोटिस देने शुरू कर दिए हैं। नगरपालिका ने गन्नौर शहर में 9 प्लांट संचालकों को नोटिस जारी कर उनसे दस्तावेज प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं। अब प्लांट संचालकों को सात दिन के भीतर अपनी जरूरी कागजात लेकर नगरपालिका कार्यालय में प्रस्तुत होना होगा। यदि कोई प्लांट संचालक अपने दस्तावेज लेकर नहीं पहुंचता तो उस स्थिती में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगरपालिका सचिव प्रदीप खर्ब ने बताया कि आरओ प्लांट को लेकर लगातार मिल रही शिकायतों पर जांच की जाएगी। जबकि नपा क्षेत्र में किसी तरह का व्यापार करने से पहले ट्रेड लाइसेंस बनवाना जरूरी है। इस संबंध में एसडीएम प्रवेश कादियान ने भी कार्रवाई के निर्देश दिए थे, जिस पर नगरपालिका ने टीम का गठन कर आरओ प्लांट संचालकों को नोटिस देना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि यदि प्लांट संचालकों के पास जरूरी दस्तावेज नहीं पाए गए तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इन्हें थमाया नोटिस

नांदल आरओ रेहडा बस्ती, श्री गणेश आरओ साई पार्क के सामने, ए-वन आरओ बीएसटी रोड, दहिया आरओ नजदीक विद्या देवी अस्पताल, श्रीजी आरओ नजदीक विद्या देवी अस्पताल, कृष्ण आरओ छोटी मंडी, सरोहा आरओ सिविल अस्पताल वाली गली, शिवाय आरओ गढ़ी केसरी, अमित आरओ निकट प्रणामी मंदिर।

बच्चों और शिक्षकों के बीच के अटूट रिश्ते को दर्शाता है पर्व : प्रमोद कुल्हाड़े

राई। रेणु विद्या मंदिर बहालगढ में रक्षाबंधन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल की प्रेरणा स्त्रोत रेणु गुप्ता व स्कूल के समावेशी (इन्क्लूसिव) छात्रों ने अपने शिक्षकों के साथ मिलकर राखी बांधकर भाई-बहन के पवित्र बंधन को मनाया। स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ प्रमोद कुमार कुल्हाड़े ने कहा, रक्षाबंधन का पर्व हमारे बच्चों और शिक्षकों के बीच के अटूट रिश्ते को दर्शाता है। इस मौके पर बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए, जिसमें नृत्य, गीत और रक्षाबंधन की परंपरा से जुड़ी कहानियां शामिल थीं। वहीं दूसरी तरफ स्कूल के छात्रों ने गोहाना नगरपालिका में आयोजित कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री डा.अरविन्द शर्मा को रेणु विद्या मंदिर के दिव्यांग बच्चो ने राखी बांधी। स्कूल के सहायक प्रोफेसर नवीन कुमार एवं सहायक प्रोफेसर गुँजा मिश्रा के साथ मंत्री ने बच्चों को आशीर्वाद दिया।

सोनीपत। बच्चों के साथ विद्यालय की निदेशक नीलम गाहल्याण।

इंडियन स्कूल में रक्षाबंधन पर हुई विविध प्रतियोगिताएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

रक्षाबंधन के पर्व को बड़े हर्षोल्लास और सांस्कृतिक उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कक्षा पहली से 5वीं तक के विद्यार्थियों ने राखी बनाओ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। कक्षा छठी से 8वीं तक के विद्यार्थियों ने पतंग बनाओ प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने छाता सजाओ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और विद्यार्थियों ने प्रबंधन समीति सहित अपने शिक्षकों की कलाई पर राखी बांधकर रक्षाबंधन मनाया। अंत में कार्यक्रम का समापन करते हुए प्रधानाचार्य ने रक्षाबंधन के पवित्र बंधन का महत्व समझाया।

समस्या सुनकर अधिकारियों को दिए समाधान के आदेश

■ विधायक कृष्णा गहलावत ने लगाया जनता दरबार, सुनीं लोगों की समस्याए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

राई। विधायक कृष्णा गहलावत जनता दरबार में समस्या सुनते हुए।

राई विधायक कृष्णा गहलावत ने जनता दरबार लगाकर हलके के लोगो की समस्या सुनी। गांव मलिकपुर के सरपंच परविंदर ने गांव के लिए अतिरक्त बस चलाने की मांग करते हुए बताया कि गांव में एक ही बस आती है परंतु उसमें भीड़ इतनी हो जाती है कि आदि सवारी वहीं रह जाती है। मलिकपुर के मोहन ने आसपास के गांवों में बैंक नही होने की जानकारी देते हुए गांव में बैंक की शाखा खुलवाने की मांग की। बहालगढ़ के ग्रामीणों ने केडीएम पब्लिक स्कूल वाली खराब गली को बनवाने की मांग की। गांव खटकड़ से सेवंदना शर्मा ने गांव के जोहड़ की हालत बहुत ही खराब बताते हुए सफाई करवाने की मांग की। गांव बडोली के रामकिशन ने अपने मकान के ऊपर से गुजरी बिजली की तार हटाने की मांग की। दरबार में ज्यादातर शिकायतें बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, वृद्धावस्था पेंशन, राशन कार्ड से संबंधित समस्याओं के समाधान की मांग की। विधायक कृष्णा गहलावत ने कहा कि अधिकारी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लें और उनका समयबद्ध तरीके से निराकरण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अनिल आंतिल, जैनपुर के सरपंच परविंदर, मनोज नारा, प्रमोद मुरथल ,अमरजीत मेहंदीपुर, कालू दीपालपुर ,राहुल नाहरी, मोहन मलिकपुर, वंदना शर्मा खटकड़, रामकिशन बडोली आदि रहे।

रक्षाबंधनः नक्षत्र, पूर्णिमा संयोग व राखी का समय करीब समान

95 साल बाद आज बना संयोग, दोगुना मिलेगा फल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

हर साल सावन पूर्णिमा के दिन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व राखी या रक्षा बंधन मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में साधक गंगा समेत पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान कर लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करते हैं। भाई-बहन के अटूट स्नेह, विश्वास व सुरक्षा के रिश्ते का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व इस वर्ष 9 अगस्त यानि शनिवार को मनाया जाएगा। बहनें तीन योग के संयोग में भाईयों की कलाई पर राखी बांध सकेंगी। इस दिन शुभ मुहूर्त में राखी बांधने से भाई-बहनों को समृद्धि व खुशहाली मिलेगी। कमाल की बात ये है कि दशकों बाद रक्षा बंधन पर दुर्लभ महासंयोग बन रहा है। यह संयोग साल 1930 समान है। आसान शब्दों में कहें तो दिन, नक्षत्र, पूर्णिमा संयोग, राखी बांधने का समय लगभग समान है। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने और राखी बांधने से दोगुना फल मिलेगा। आचार्य मनमोहन मिश्रा ने बताया कि इस बार रक्षाबंधन पर सौभाग्य योग बन रहा है, इसके अलावा शोभन योग और सर्वार्थ सिद्धि योग भी बन रहा है। इसके अलावा श्रवण नक्षत्र भी पड़ रहा है, जिसके कारण रक्षाबंधन पर अलग अलग समय में रक्षा का बंधन बांधने पर शुभ फल प्राप्त होंगे। उनहोंने बताया कि भद्रा शुक्रवार को ही लग गई थी, ऐसे में 9 अगस्त को रक्षा बंधन का त्यौहार मनाया जा रहा है।

दोपहर तक रहेगा शुभ समय

आचार्य मनमोहन मिश्रा

8 अगस्त को भद्रा दोपहर 02 बजकर 12 मिनट से 09 अगस्त को देर रात 1 बजकर 52 मिनट तक है। इसलिए 9 अगस्त को राखी का त्योहार मनाया जाएगा। भद्रा के धरती पर रहने के दौरान शुभ काम नहीं किया जाता है। इसके लिए भद्रा का साया रहने पर रक्षा बंधन का त्योहार अगले दिन मनाया जाता है। 9 अगस्त को राखी बांधने का सही समय सुबह 5 बजकर 21 मिनट से लेकर दोपहर 1 बजकर 24 मिनट तक है। इस समय तक बहनें अपने भाई को राखी बांध सकती हैं। इसके बाद ठाकुर जी के प्रिय भाद्रपद महीने की शुरुआत होगी।

बन रहे हैं कई शुभ योग

आचार्य मनमोहन मिश्रा ने बताया कि रक्षा बंधन के दिन सौभाग्य योग का संयोग बन रहा है। सौभाग्य योग का समापन 10 अगस्त को देर रात 02 बजकर 15 मिनट पर होगा। इसके बाद शोभन योग का निर्माण होगा। वहीं, सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग सुबह 5 बजकर 47 मिनट से लेकर दोपहर 2 बजकर 23 मिनट तक है। इसके साथ ही श्रवण नक्षत्र दोपहर 2 बजकर 23 मिनट तक है। जबकि करण, बव और बालव हैं। इन योग में राखी का त्योहार मनाया जाएगा। आचार्य मनमोहन मिश्रा के अनुसार, 8 अगस्त को दोपहर 2 बजकर 12 मिनट पर सावन महीने की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत होगी। वहीं 9 अगस्त को दोपहर 1 बजकर 24 मिनट पर पूर्णिमा तिथि समाप्त होगी।